

न्यायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक

पक्ष

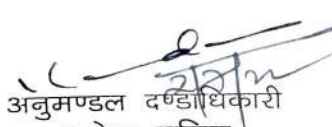
बनाम

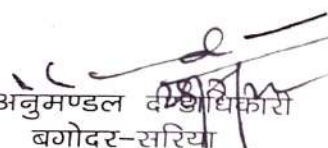
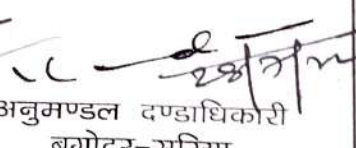
असल नं० ३११९ प्रथम पक्ष
 पत्नी पृथ्वी द्वितीय पक्ष
 वगैरे

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० से तक
 जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या 88/22 सन् 2021
 धारा 144 द० प्र० सं०

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>आवेदक अलख नारायण पिता स्व० हुकुम यादव, साकिन-सरिमाटांड, थाना-बिरनी, जिला-गिरिडीह द्वारा दं० प्र० सं० की धारा 144 के अंतर्गत विवादित भूमि मौजा-सरिमाटांड अंतर्गत खाता नं०-09, प्लॉट नं०-222, रकवा-01 एकड़ 1 2 ¹/₂ डी०, चौहद्दी: 30-गैरमजरुवा पहाडी, द०-मरकोडीह सीमाना, पू०-रोड, प०-द्वितीय पक्ष में भू-विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु आवेदन दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जाँच/मंतव्य अंचल अधिकारी/थाना प्रभारी, बिरनी से मांगे।</p> <p style="text-align: right;">  अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया </p>	

क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख उपस्थापित। थाना प्रभारी/अंमल अधिकारी ... (के ज्ञापांक सं० 1269 दिनांक 19.7.2022) के द्वारा समर्पित किया गया जॉच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद मैं संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं टकराव के लिए तत्पर हैं। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।</p> <p>इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द० प्र० सं० के अंतर्गत कार्यवाई प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है। साथ ही उभय पक्षों से दिनांक 4/08/22 को कारणपृच्छा की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पूष्ट किया जाय। अभिलेख दिनांक 4/08/22 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित।</p> <p> अनुमण्डल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया</p> <p> अनुमण्डल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया</p>	

की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<u>4/8/22</u>	भूमिगत उपस्थिति। प्रथम पक्ष कालान्त एजिंर। द्वितीय पक्ष उपस्थिति। भूमिगत दिनांक 25/8/22 से 22/8/22	
<u>25/8/22</u>	प्रथम पक्ष कालान्त एजिंर। द्वितीय पक्ष उपस्थिति। To 8/09/22 C. [Signature]	
<u>8/9/22</u>	प्रथम पक्ष कालान्त एजिंर। द्वितीय पक्ष उपस्थिति। To 22/09/22 C. [Signature]	
<u>22.09.22</u>	प्रथम पक्ष कालान्त एजिंर। द्वितीय पक्ष उपस्थिति। पीठासीन पदाधिकारी द्वारा कार्य में व्यवस्था। To 27/09/22 C. [Signature]	

श. की क्र० सं०
और तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई
कारवाई के बारे में
टिप्पणी तारीख सहित

1

2

3

27/09/22

आदेश हेतु अभिलेख
उपस्थापित।

प्रशासन बाद प्रथम पक्ष
के आवेदन के आलोक में
घाना प्रमारी, बिरनी के प्रतिवेदन
के संदर्भ में प्रारम्भ किया
गया।

आवेदक के अनुसार
नकरारी जमीन मौजा - रिमकाटांड
घाना- बिरनी में स्थित खाना -
9, एकाट - 222, एकवा 4.50 ए.
मएये 1 एकड़ 12 1/2 बी. है जो -
आवेदक का बजरिये के बाला
संठ - 21412, दिनांक - 19/11/1968
से हासिल है। खरीदगी के
परन्तु उक्त भूमि पर दखलदार
होकर रखी करवाते रहे हैं।
द्वितीय पक्ष बलपूर्वक उक्त
भूमि पर मकान निर्माण कर
का प्रयास कर रहे हैं।

आवेदक (प्रथम पक्ष) अपने
दावे के समर्थन में विडय पत्र
की जाया प्रति दारिखल किया
गया है।

द्वितीय पक्ष के द्वारा
निरस्त कारण प्रदत्त दारिखल
किया गया। द्वितीय पक्ष के
अनुसार प्रशासन खाना में
उक्त बजरिये दो के बाला के
मादधम से 2.62 1/2 ए.

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>भूमि हासिल है तथा केवाला के आधारे पर नामांतरण की कारवाई सम्पन्न होकर वर्ष 2021-22 तक लगान रसीद निर्गत है। प्रथम पक्ष के द्वारा दारिदल केवाला में चौहरी स्वच्छादी है। प्रथम पक्ष गालत चौहरी के आधारे पर फ़रमायी जमीन पर जबरन रिकवरी करना चाहते हैं।</p> <p>द्वितीय पक्ष के द्वारा अपने दावे के समर्थन में निबंधित विद्युत पत्र दिनांक 14.10.21 की ध्या प्रति, ऑनलाईन लगान रसीद सं० - 0406164503, दिनांक 04-04-2022 की ध्या प्रति, लगान रसीद सं० - 0677799936 दिनांक - 4-4-22 की ध्या प्रति एवं नरसम्बन्धी ऑनलाईन पंजी-11 की ध्या प्रति दारिदल किया गया है।</p> <p>अंचल अधिकारी, बिस्नी के प्रतिवेदन का अवलोकन किया। प्रतिवेदन के अनुसार प्रस्तावित भूमि रूयत रवाने की भूमि है तथा उमय पक्ष को विद्युत-पत्र के माध्यम से हासिल है। प्रथम पक्ष के</p>	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>केवाला में चौहरी अंकित नहीं है। डिग्रीय पक्ष के केवाला में चौहरी अंकित है। विवाद का मूल कारण विद्युत पत्र में चौहरी अंकित नहीं होना है।</p> <p>उभय पक्षों के द्वारा दायर दस्तावेजों का अवलोकन किया। प्रथम पक्ष के द्वारा दायर विद्युत पत्र में चौहरी अंकित नहीं है जबकि डिग्रीय पक्ष के विद्युत-पत्र में चौहरी अंकित है। डिग्रीय पक्ष के केवाला के आधार पर नामांतरण की कार्यवाही कर अधतन लगान रसीद निर्गत किया जाता रहा है। इस नामांतरण का विरोध/आपत्ति प्रथम पक्ष के द्वारा कमी नहीं की गई। निर्गत लगान रसीद डिग्रीय पक्ष के दरवाला को इंगित करना है।</p> <p>उक्त विवेचन के आलोक में निम्न को प्रथम पक्ष के विरुद्ध निरपेक्ष घोषित करता हूँ तथा डिग्रीय पक्ष के हित में रिक्त घोषित करता हूँ। यह आदेश नोटिस निर्गत करने की तिथि से साठ दिनों के लिये प्रभावी होगा।</p> <p>वाद की कार्यवाही समाप्त की जाती है।</p>	